न कोई आये न कोई जाये वो आये वो जाये
न कोई आये न कोई जाये |
वो आये वो जाये
आते जाते, जाते आते
वो ही राह दखिाए ||
हर हरकत मैं बरकत उसका
प्यार भी उसका नफरत उसकी |
खंडहर भी वो शहर भी वो है ,
अमृत भी वो ज़हर भी वो है |
वो चाहे तो प्याला भर दे
वो चाहे तो खाली कर दे .
ताक़त वो कमजोरी भी वो
कठपुतली वो डोरी भी वो .
नाच उसकी मर्जी की धुन पर
जैसे नाच नचाये ..
न कोई आये न कोई .....
तेरे सामने गीत है उसका
तेरे पास संगीत है उसका .
तेरे सामने उसकी माला
तेरे पास तेरा रखवाला .
तेरे सामने सांज है उसके
तेरे सब राज़ है उसके .
तेरे सामने उसकी ज्योति
तेरे पास पूजा के मोती .
फरि दुनयिा के नाकधिन से
काहे प्यार बढाए ..
न कोई आये न कोई .....
धरती से आकाश का रश्ति ा ,
दूर का रश्ति ा, पास का रश्ति ा .
साग़र से नदयिा का बंधन
बजिली से बरखा का बंधन .
सड़को से गलयिों का नाता .
सावन के झूलों के रश्ति े
माटी के फूलों के रश्ति े .
साईं के इस जोड़-तोड़ पर
तू क्यों चैन गवाए ..
न कोई आये न कोई .....